भारत में विशेष आर्थिक क्षेत्र
(Special Economic Zone - SEZ)

भारत में विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) ऐसे भौगोलिक क्षेत्र होते हैं जिन्हें सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है, जहाँ आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विशेष नीतियाँ और सुविधाएँ दी जाती हैं। इन क्षेत्रों में उद्योगों को कर में छूट, सरल नियम और बेहतर बुनियादी सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं ताकि विदेशी निवेश आकर्षित हो और निर्यात में वृद्धि हो।

मुख्य उद्देश्य :-

1. विदेशी निवेश को आकर्षित करना।
2. निर्यात को बढ़ावा देना।
3. रोजगार के अवसर प्रदान करना।
4. उद्योगीकरण को गति देना।
5. वैश्विक व्यापार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता।

विशेषताएँ :-

1. इन क्षेत्रों में कस्टम और टैक्स नियम सामान्य क्षेत्रों से अलग होते हैं।
2. आयात - निर्यात पर छूट मिलती है।
3. एकल खिड़की प्रणाली से सभी स्वीकृतियां देना।
4. विदेशी मुद्रा में लेन-देन की अनुमती।

उदाहरण :-

- सांता क्रुज इलेक्ट्रॉनिक एक्सपोर्ट (महाराष्ट्र)
- कोचिन SEZ (केरल)

- नोएडा SEZ (उत्तर प्रदेश)
- फाल्टा SEZ (पश्चिम बंगाल)
- विशाखापट्टनम SEZ (आंध्र प्रदेश)

निष्कर्ष :-

विशेष आर्थिक क्षेत्र भारत के औद्योगिक और आर्थिक विकास में महत्वपुर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसकी स्थापना से न केवल विदेशी निवेश में वृद्धि हुई है, बल्कि देश के निर्यात और रोज़गार के अवसरों में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।